

SAMFORD

SUPER SPECIALITY HOSPITAL

State of The Art Straight From The Heart



DR. DEEPAK GUPTA



DR. ASHUTOSH

CHAIRMAN & DIRECTOR DEPT. OF CARDIAC SCIENCES M.B.B.S, (INTERNAL MEDICINE) D.M (SGPGI), F.S.C.A.I (USA) F.E.S.C. (EUROPE), F.A.C.C (USA)

Consultant Interventional Cardiologist M.B.B.S, M.D. (Medicine) D.M. (Cardiology)



अपने दिल को **विश्व हृदय दिवस**

स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है सही खाना, सही सोना और तनाव ना लेने के साथ-साथ समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना....
विश्व हृदय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

DEPARTMENTS

- Department of Emergency & Trauma Care
- Department of Critical Care
- Department of Gastrosciences & Hepatology
- Department of Cardiac Sciences
- Department of Neurology & Neurosurgery
- Department of Nephrology
- Department of Orthopedics, Joint & Hip replacement Surgery
- Department of Urology
- Department of General & Laparoscopic Surgery
- Department of Internal Medicine
- Department of Anaesthesiology
- Department of Paediatrics, Paediatrics Surgery & Neonatology
- Department of Obstetrics & Gynaecology
- Department of Pathology & Microbiology
- Department of Interventional Radiology & Imaging Sciences

FACILITIES 24x7

- 64 Bedded Critical Care Unit
- Emergency & Trauma Care
- Dialysis
- 3 Tesla MRI & 64 Slices CT Scan
- Non Vascular Radiological Interventions
- Pharmacy
- Lab Services
- Home Sample Collection
- BLS & ACLS Ambulance Services
- Dedicated Doctors Team



OTHER FACILITIES

- Day Care Procedures
- Endoscopic Ultrasound (EUS)
- Capsule Endoscopy
- Physiotherapy & Rehabilitation
- Clinical Nutrition & Dietetics

7360080012 | 7360080021 | 8877188771



www.samfordhospital.com

Samford Hospital, Kokar Chowk, Ranchi, Jharkhand - 834001



@Samfordhospitalranchi



@Samfordhospital_



@Samfordhospital



संपादकीय

दोहरा रवैया ठीक नहीं

आ तंत्रवादी हरदीप सिंह निजर की हत्या के मामले में जिस तरह से कनाडाई पोंस जस्टिन ट्रॉने ने बैरे किसी ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगा दिया और उसके बाद अमेरिका ने जंच में संख्योग का राग अलाप कर भारत को परोक्ष नसीहत देने की कोशिश की। वह अंतरराष्ट्रीय हल्कों में किसी से छुपा नहीं है। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से मंगलवार को दिये अपने भाषण में बड़ी बारीकों से उन सभी सवालों को संवेदित किया, जो इस सिलसिले में उठ रहे थे। उन्होंने मंच की सीमाओं का खंबाल रखते हुए न केवल भारत का पक्ष स्पष्ट किया बल्कि अन्य देशों को भी उनकी सीमाओं का अहसास कराया। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि अब वह दौर नहीं रहा जब कुछ देश मिलक दुनिया का अंजेंडा सेट करें। जयशंकर ने भले ही कनाडा या किसी अन्य देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका वातांसे से साफ था कि वह किसी और इशारा कर रहे हैं। मिर भी अपनी किसी के मान में कोई संदेह रह गया हो तो न्यूयॉर्क में काउसिल अन्न फैन रिलेशंस में हुई चर्च के दौरान वह भी साफ हो गया। वहां उन्होंने सफ-साफ कहा कि कनाडा अमर कोई ठोस और सटीक सबूत देता है, तो भारत निश्चित रूप से उस पर विचार करेगा, लेकिन वहां पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आतंकवादी और अल-इस्लाम वादी दी गतिविधियां चल रही हैं, संगठित अपराध बढ़ा है, उससे जुड़ी भारत की चिंताओं का बया? वहां भारतीय राजनीतिकों को धमकियां दी जाती हैं, भारतीय कॉन्स्यूलेट पर हमला कर रहा है और उनके लिए जिम्मेदार तत्वों के बारे में पूरी सूचना मुहूरा कराए।

भारत और कनाडा के बीच घल रहे राजनीतिक विवाद के बीच जिस तरह अमेरिका ने जांच में सहयोग का राग अलाप कर भारत को परोक्ष नसीहत देने की कोशिश की, उसे लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएन के मंच से जबाब दिया है।

जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, उल्टे उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हवाला दिया जाता है। ऐसी स्थिति कैसे मंजूर की जा सकती है? रही बात अमेरिका को तो हाल के वर्षों में उसका साथ भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जो करीबी आई है और जिस तरह से दोनों देशों में सामरिक भागीदारी बढ़ी है, उसका ध्यान रखना दोनों पक्षों के लिए जरूरी है। संभवतः इसी जबह से विदेश मंत्री जयशंकर इस पर अपनी साक्षिनिक रूप से कुछ नहीं कह रहे हैं। लेकिन जहां तक अकांटेंटिलिटी पर जोर देने की बात है तो वह नियम सबके लिए होना चाहिए। और भारत के बारे में तो अभी सिर्फ आरोप है, वह भी ऐसा जिसका कोई ठोस आवार भी समान नहीं आया है, जिस देश की सरकार ने अवरोप लगाया है, वहां जांच तक पूरी नहीं हुई है, पर जिन देशों पर अन्य राष्ट्रों की प्रसंभूत और सीमाओं का उल्लंघन करते हुए कार्रवाई करने के मामले आदाया ठोस रूप से समाने आ चुके हैं तब उन पर चुप्पी क्यों? क्या यह अजीब नहीं है कि जिसकी तरफ करने का यह जोस सिर्फ भारत के मामले में दिखाया जा रहा है? जयशंकर ने सही कहा कि आतंकवाद से जुड़े ऐसे मामलों पर आज भी कई देश दोहरा रवैया अपना रहे हैं, जो उचित नहीं।

अभिमत आजाद सिपाही

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रति ऐतिहासिक श्रद्धा के प्रतीक के रूप में स्थित है। सादियों से, भारतीय

भारत की अमृत यात्रा: महिला नेतृत्व वाली यात्रा!



जी किशन रेडी

जैसे ही ऐतिहासिक नारीशक्ति बंदन अधिनियम संसद में पेश किया गया, माननीय प्रधानमंत्री नेरेन्द्र मोदी ने इसके पारित होने को सांसदों के लिए अग्रिम परीक्षा कहा। वह वास्तव में अग्रिम परीक्षा है: समानता और संतुलन के अधार पर भारत के पारपरिक गैरव को बहाल करने के लिए अग्रिम परीक्षा उस सर्वोच्च स्थान को पुनः प्राप्त करने के लिए जिसका लाभ प्राचीन काल से महिलाओं को मिलता आया है; और राजनीतिक गलतफहमियों से ऊपर उठकर नारी शक्ति के लिए कास साथ खड़े होने के लिए अग्रिम परीक्षा। आधुनिक अवधि के अधार पर निर्मित विकास की मार्गदर्शन की भावना का धमकियां दी जाती हैं, जो महिलाओं के लिए समानता और पूर्ण संतुलन का परिचायक है।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रति ऐतिहासिक श्रद्धा के प्रतीक के रूप में स्थित है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मकालीन विवाहों को संहारण की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रति ऐतिहासिक श्रद्धा के प्रतीक के रूप में स्थित है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व व्रताचारों को संरक्षित करने की धर्मात्मक होना चाहिए, जो महिलाओं के लिए उपर्युक्त है।

रामायण और महाभारत में सीता माता, द्यौपीढ़ी और कुंती जैसे दृढ़ प्रतीक व

गढ़वा

महत्वपूर्ण न्यूज़

पतंजलि योग समिति ने शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती मनायी



मेराल (आजाद सिपाही)। पतंजलि योग समिति सह भारत स्वाधिमान न्यास के प्रखंड कायालय में गुरुवार का शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती मनाया गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अधिकारी के रूप में उपस्थित पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी रासविहारी तिवारी के द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। त्योहार सह गुरुवारी नामें दिवारी, मुखिया रामसागर महान्, प्रखंड प्रभारी बलराम शर्मा, बसपा नेता शिवकुमार विश्वकर्मा, ब्रजेश कुमार मिश्र, डॉ लालमोहन, विजय प्रसाद, मनन यादव, विजेश्वर प्रजापति, भरत भूषण तिवारी, यासीन अंसारी, विवेकानंद चौबे आदि ने श्रद्धा सुन्न अर्पित किया। इस अवसर पर डॉ लालमोहन द्वारा भगत सिंह की नाम लगाए गए। इस प्रौढ़ पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रास विहारी तिवारी ने कहा कि शहीद भगत सिंह ऐसे देशभक्त थे कि अल्प अयु में देशभक्ति की ऐसी गथा छोड़ गए जो युगांतर तक अमर होगा। जिला प्रभारी नामें दिवारी ने कहा कि लिए शहीद भगत सिंह ने अत्यन्त रोमांश कर रखा है। जिला प्रभारी नामें दिवारी ने श्रद्धा सुन्न की जो मिसाल पढ़ी की है वह सदैव अनुकरणीय रहेगा। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाधिमान टट्टू ऐसी विभूतियों का नमन करते हुए अपने वाली युवा पढ़ी को प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करता रहेगा। एसडी मेमोरियल के निदेशक ब्रजेश मिश्र ने कहा कि भगत सिंह ने बहुत कम उम्र में देश के लिए जो कार्य किया उनके विचारों से प्रेरणा लेकर हम सभी लोगों को भी देश हित में कार्य करना चाहिए। कायांक्रम में उपरोक्त के अलावे कई अन्य लोग थे।

वॉलीबॉल खिलाड़ी के निधन पर गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ कार्यालय में शोकसभा आयोजित



गढ़वा (आजाद सिपाही)।

गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ के द्वारा जिला कायालय में गुरुवार को एक शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसमें वॉलीबॉल खिलाड़ी आकाश कुमार के निधन पर दो मिनट का मौन ध्यान कर इश्वर से मृतक संघर्ष की आत्मा के लिए प्रार्थना की गयी। आकाश कुमार अशेष विहार निवासी प्रयाग राम बिंद का पुत्र था, जो दो दिन पहले अपने अवास पर सीढ़ी से फिल्स कर गिर गया था। उसका इलाज वाराणसी के द्वारा सेंटर में चल रहा था। इसी दौरान बुधवार की सुबह उसका निधन हो गया। इस प्रौढ़ पर अध्यक्ष अनंद प्रकाश दुबे ने कहा कि आकाश एक व्यवहारिक लड़का था, वह हमें खेल के प्रति समर्पण भाव से आयोजन में बढ़-चढ़ कर भगत लेता था। उसके निधन से संघ को अपराधीय क्षति हुई है। इससे संघ को एक अच्छे खिलाड़ी की कमी हो गयी। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेश कुमार, सचिव अंसारी, संयुक्त सचिव अंरविद दुबे, पक्ज मिश्र, विजयाक्ष कमलेश कुमार पाठेय, श्याम नारायण पाठेय, शैलेश नंदन सिन्हा, संजीव पाठेय, औम प्रकाश चौबे, कोषाध्यक्ष प्रणव कुमार, विनय दुबे, समर रजा, अंशु दुबे, राजा आलम, प्रशांत ओझा, कुलदीप कुमार, शुभम कुमार, सुमित मिश्र, विवेक कुमार तिवारी, विश्वाल पाठेय आदि लोग उपस्थित थे।

छासे गिरने पर युवक की मौत, कम उम्र में फोटोग्राफी वीडियोग्राफी में अपना नाम कमा युक्त था पायलट आकाश



गढ़वा (आजाद सिपाही)।

सदर प्रखंड के नवाब पंचायत अशेष के विहार जिला कायालय में गुरुवार को एक शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसमें वॉलीबॉल खिलाड़ी आकाश कुमार के निधन पर दो मिनट का मौन ध्यान कर इश्वर से मृतक संघर्ष की आत्मा के लिए प्रार्थना की गयी। आकाश कुमार अशेष विहार निवासी प्रयाग राम बिंद का पुत्र था, जो दो दिन पहले अपने अवास पर सीढ़ी से फिल्स कर गिर गया था। उसका इलाज वाराणसी के द्वारा सेंटर में चल रहा था। इसी दौरान बुधवार की सुबह उसका निधन हो गया। इस प्रौढ़ पर अध्यक्ष अनंद प्रकाश दुबे ने कहा कि आकाश एक व्यवहारिक लड़का था, वह हमें खेल के प्रति समर्पण भाव से आयोजन में बढ़-चढ़ कर भगत लेता था। उसके निधन से संघ को अपराधीय क्षति हुई है। इससे संघ को एक अच्छे खिलाड़ी की कमी हो गयी। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेश कुमार, सचिव अंसारी, संयुक्त सचिव अंरविद दुबे, पक्ज मिश्र, विजयाक्ष कमलेश कुमार पाठेय, श्याम नारायण पाठेय, शैलेश नंदन सिन्हा, संजीव पाठेय, औम प्रकाश चौबे, कोषाध्यक्ष प्रणव कुमार, विनय दुबे, समर रजा, अंशु दुबे, राजा आलम, प्रशांत ओझा, कुलदीप कुमार, शुभम कुमार, सुमित मिश्र, विवेक कुमार तिवारी, विश्वाल पाठेय आदि लोग उपस्थित थे।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर प्रखंड के नवाब पंचायत अशेष के विहार जिला कायालय में गुरुवार को एक शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसमें वॉलीबॉल खिलाड़ी आकाश कुमार के निधन पर दो मिनट का मौन ध्यान कर इश्वर से मृतक संघर्ष की आत्मा के लिए प्रार्थना की गयी। आकाश कुमार अशेष विहार निवासी प्रयाग राम बिंद का पुत्र था, जो दो दिन पहले अपने अवास पर सीढ़ी से फिल्स कर गिर गया था। उसका इलाज वाराणसी के द्वारा सेंटर में चल रहा था। इसी दौरान बुधवार की सुबह उसका निधन हो गया। इस प्रौढ़ पर अध्यक्ष अनंद प्रकाश दुबे ने कहा कि आकाश एक व्यवहारिक लड़का था, वह हमें खेल के प्रति समर्पण भाव से आयोजन में बढ़-चढ़ कर भगत लेता था। उसके निधन से संघ को अपराधीय क्षति हुई है। इससे संघ को एक अच्छे खिलाड़ी की कमी हो गयी। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेश कुमार, सचिव अंसारी, संयुक्त सचिव अंरविद दुबे, पक्ज मिश्र, विजयाक्ष कमलेश कुमार पाठेय, श्याम नारायण पाठेय, शैलेश नंदन सिन्हा, संजीव पाठेय, औम प्रकाश चौबे, कोषाध्यक्ष प्रणव कुमार, विनय दुबे, समर रजा, अंशु दुबे, राजा आलम, प्रशांत ओझा, कुलदीप कुमार, शुभम कुमार, सुमित मिश्र, विवेक कुमार तिवारी, विश्वाल पाठेय आदि लोग उपस्थित थे।

भाजयुमो ने शहीदे आजम भगत की जयंती मनायी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपने जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भगत सिंह के बारे में बोला कि विदेशी दोस्तों ने उन्होंने अपनी जीवन के लिए अपनी जाति की जयंती के लिए देशभक्ति की अपील की।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह का 116वीं जयंती के लिए गढ़वा में मनायी गयी। कार्यकार्ताओं ने शहीद भग

